

घोल मछली

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

गुजरात ने हाल ही में **ब्लैक-स्पॉटेड क्रोकर** (प्रोटोनबिया डायकैथस), जिसे स्थानीय तौर पर **घोल मछली** के नाम से जाना जाता है, को **राज्य मछली** घोषित किया है।

- यह नरिणय वभिनिन कारकों पर आधारित था, जिसमें इसकी वशिषिटता, आर्थिक मूल्य तथा संरक्षण की आवश्यकता पर ज़ोर देना था।



घोल मछली से संबंधित मुख्य तथ्य क्या हैं?

- **भौगोलिक वितरण:**
 - घोल मछली मुख्य रूप से [हिंदी-प्रशांत क्षेत्र](#) में पाई जाती है।
 - इसका प्राकृतिक वास [फ़ारस की खाड़ी](#) से लेकर [प्रशांत महासागर](#) तक वसितृत है।
- **आर्थिक महत्त्व:**
 - घोल मछली की **चीन और अन्य एशियाई देशों** के बाज़ार में पर्याप्त मांग है।
 - घोल मछली को इसके उच्च बाज़ार मूल्य के कारण '**सी गोल्ड**' के नाम से भी जाना जाता है।
 - इसका मांस **यूरोपीय और मध्य-पूर्वी देशों** में नरियात किया जाता है, जबकि **ड्राई एयर ब्लैडर** की वशिष रूप से चीन में अत्यधिक मांग है।
 - गुजरात में एक कलोग्राम घोल की कीमत 5,000 रुपए से 15,000 रुपए तक है।
 - **ड्राई एयर ब्लैडर**, जिसे सबसे महँगा हसिसा माना जाता है, नरियात बाज़ार में इसकी कीमत 25,000 रुपए प्रति कलोग्राम तक पहुँच सकती है।
- **लाभ:**
 - आँखों के स्वास्थ्य के लिये अच्छा है और आँखों की रोशनी बनाए रखने में सहायता करती है।
 - उम्र बढ़ने और झुर्रियों को रोकने के लिये घोल मछली में मौजूद कोलेजन की मात्रा झुर्रियों को रोकती है और **औस्वचा की लोच को भी बरकरार रखती है**।
 - अगर इसे नयिमति रूप से खलियाया जाए तो घोल मछली में मौजूद ओमेगा-3 की मात्रा शशुओं की इंटेल्जेंस कोशेंट (IQ) में सुधार करती है, यह **मसतषिक कोशकियों के विकास** में सहायता करती है।
- **संरक्षण:**
 - [अंतरराष्ट्रीय प्रकृत संरक्षण संघ \(IUCN\) की रेड लिस्ट](#): नकिट संकटग्रस्त।

नोट:

- समुद्री और अंतरदेशीय मछली प्रजातियों की समृद्ध वविधिता के साथ गुजरात, भारत में मत्स्य उत्पादन में अग्रणी राज्यों में से एक है ।
- वर्ष 2021-22 में गुजरात में कुल **8.74 लाख टन मछली उत्पादन दर्ज किया गया ।**

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/ghol-fish>

